

### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--जपल्लच्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

₹7° 219]

नई विल्ली, मंगलबार, मई 24 1977/ज्येष्ठ 3, 1899

No. 219]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 24, 1977/JYAISTHA 3, 1899

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सब ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

#### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May 1977

**S.O.** 369(E).—In exercise of the powers conferred by cause (b) of section 78, read with sub-section (2) of section 116 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No SO 2322, dated the 29th June, 1968, namely —

In the Table below the said notification, against serial No. 2, in column (3), for the letters and figures "Rs 50,000/-" the letters and figures "Rs. 1,00,000/-" shall be substituted

[No 2/77-F 131/4/77-CC. II]

M. A. RANGASWAMY, Addl Secy.

(1995)

### राजस्य घीर बेंकिंग विभाग

## श्रधिसुचना

# नई दिल्ली, 24 मई, 1977

का भा 369(भा) ---केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) श्रधिनयम, 1968 (1968 क 45) की धारा 116 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 78 के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार, बित्त मवालय के राजस्व ग्रीर बीमा विभाग की प्रधिसूचना मख्या का न्या 2322 तारीख 29 जून, 1968 में निम्नलिखिन संगोधन करती है. श्रर्थात 🗀

उक्त अधिसूचना के नीचे की सारणी मे कम संख्या 2 के सामने स्तम्भ 3 में "50,000 रुं ग्रक्षरो भीर श्रंको के स्थान पर "1,00,000 रुं ग्रक्षर श्रीर श्रक रखे जाऐगे।

[सं० 2 77-एक 131 4 77-नीवी J]

एम० ए रंगास्वमी, भ्रपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा नियमक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977